QDV 'khV 2

Global Campaign FOR Microbicides

# माइक्रोबिसाइड् के बारे में आमतौर पर पूछे जाने वाले प्रश्न

## माइक्रोबिसाइड् क्या है?

***माइक्रोबिसाइड्*** ऐसा पदार्थ है, जिसे अगर योनी या गुदा में लगाया जाए तो यौन संचारित रोगों के प्रसार का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है। माइक्रोबिसाइड् किसी भी रूप में बनाए जा सकते हैं, जैसे जैल, क्रीम, सपोजिटरी, फिल्म्स, ल्युब्रिकेन्ट्स या स्पॉन्ज़ या धीरे-धीरे सक्रिय तत्व छोड़ने वाला योनी छल्ला। माइक्रोबिसाइड् शब्द का संबंध ऐसे विभिन्न उत्पादों से है, जिनमें एक गुण समान होता है- वे सभी शरीर के भीतर लगाए जाने पर एचआईवी और अन्य यौन संचारित संक्रमणों के यौन संबंधों के जरिए संचारण को रोक सकते हैं।

## क्या माइक्रोबिसाइड् इस समय उपलब्ध हैं?

नहीं, इस समय वैज्ञानिक विभिन्न पदार्थों का परीक्षण करके यह पता लगा रहे हैं कि क्या वे एचआईवी और अन्य यौन संचारित संक्रमणों से संरक्षण देने में मदद कर सकते हैं। किन्तु इस समय आम लोगों के लिए कोई सुरक्षित और असरदार माइक्रोबिसाइड् उपलब्ध नहीं है। किन्तु वैज्ञानिक ऐसे दर्जनों उत्पादों का गंभीरता से अध्ययन कर रहे हैं। इनमें से १६ पशुओं पर सुरक्षित और असरदार पाए गए हैं और उनका मानव पर परीक्षण चल रहा है। अगर तीन उत्पादों में से एक आगे के परीक्षणों में सफल पाया गया तो वह कुछ मुट्ठी भर उच्च प्राथमिकता वाले विकासशील देशों में २०१० तक उपलब्ध हो जाएगा। लेकिन अगर किसी देश के नियमों के अनुरूप उसके बारे में विशेष क्लीनिकल परीक्षण करने पड़े तो और भी अधिक समय लग सकता है।

## माइक्रोबिसाइड् कैसे काम करेगा?

माइक्रोबिसिड एचआईवी और यौन संचारित संक्रमणों की इस तरह रोकथाम कर सकते हैं :

१. कीटाणुओं को मार कर या निष्क्रिय करके;
२. कीटाणु और योनी या गुदा की कोशिकाओं के बीच दीवार खड़ी करके संक्रमण को रोक कर; या
३. शरीर में प्रवेश करने के बाद संक्रमण को जड़ें जमाने से रोक कर।

आदर्श रूप से माइक्रोबिसाइड् इन सभी स्थितियों के लिये अधिक प्रभावी होगा।

## क्या माइक्रोबिसाइड् कंडोम की आवश्यकता समाप्त कर देंगे?

नहीं, अगर सही ढंग से लगातार इस्तेमाल किए जाएँ तो पुरुष या महिला कंडोम एचआईवी और यौन संचारित संक्रमणों से माइक्रोबिसाइड् की तुलना में कहीं बेहतर सुरक्षा दे सकते हैं, इसलिए वे फिर भी ज़्यादा उपयोगी विकल्प रहेंगे। किन्तु जो लोग कंडोम का इस्तेमाल नहीं कर सकते या नहीं करेंगे खासकर जिन महिलाओं के साथी कंडोम इस्तेमाल करने से इनकार कर देते हैं, उनके लिए माइक्रोबिसाइड् के इस्तेमाल से जीवन बचाया जा सकता है और एचआईवी के प्रसार को रोकने में भारी मदद मिल सकती है। वास्तव में शोधकर्ताओं ने एक गणितीय मॉडल तैयार किया है, जिससे पता चलता है कि अगर कम आय वाले देशों में बहुत कम अनुपात में भी महिलाओं ने आधे सेक्स संबंधों में, जहाँ कंडोम का इस्तेमाल नहीं होता, ६० प्रतिशत असरदार माइक्रोबिसाइड् का इस्तेमाल किया तो ***तीन वर्ष की अवधि में २.५ लाख एचआईवी संक्रमणों को रोका जा सकेगा।***

## क्या माइक्रोबिसाइड् सभी यौन संचारित रोगों से बचाव कर सकते हैं?

यौन संचारित संक्रमण अलग-अलग कीटाणुओं (कुछ वायरल और कुछ बैक्टीरिया से) से फैलते हैं, इसलिए ये ज़रूरी नहीं है कि एक यौन संचारित संक्रमण कीटाणु पर असरदार माइक्रोबिसाइड् दूसरे संक्रमण से भी बचाएगा। इस समय जिन माइक्रोबिसाइड् का परीक्षण चल रहा है उनमें से अनेक एचआईवी और कम-से-कम एक अन्य यौन संचारित संक्रमण से बचने में मदद करते हैं। आखिरकार कोई ऐसा उत्पाद एचआईवी सहित विभिन्न यौन संचारित संक्रमणों से संरक्षण दे सकेगा, जिसमें विभिन्न माइक्रोबिसाइड् और उनके प्रभाव का संगम होगा।

## अगर कोई महिला गर्भवती होना चाहे तो क्या करे?

इस समय जाँच के अंतर्गत आने वाले कुछ माइक्रोबिसाइड् गर्भधारण को रोकते हैं और कुछ नहीं रोकते। गैर गर्भ निरोधी माइक्रोबिसाइड् और गर्भावस्था तथा संक्रमण को रोकने वाले दोहरे-एक्शन माइक्रोबिसाइड् दोनों का होना ज़रूरी है ताकि महिलाएँ और पति-पत्नी अपने स्वास्थ्य का संरक्षण करते हुए भी संतान पैदा कर सकें। कंडोम से ऐसा करना संभव नहीं है।

PATH
A catalyst for global health

ग्लोबल कैम्पेन फॉर माइक्रोबिसाइड्, मई २००५। दोबारा उपयोग की अनुमति है।
जानकारी के लिए संपर्क करें : info@global-campaign.org
अधिक जानकारी के लिए देखें : www.global-campaign.org/download.htm

## क्या माइक्रोबिसाइड्‌ सुरक्षित होंगे?

किसी भी प्रॉडक्ट को ग्राहकों को उपलब्ध कराने से पहले कड़ी सुरक्षा जाँच से गुजारना आवष्यक है। महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता और शोधकर्ता मिलकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि माइक्रोबिसाइड्‌ का क्लीनिकल परीक्षण संपूर्ण और नियमसंवत्‌ हो। सौभाग्यवश अभी जिन अनेक पदार्थों और उनके प्रभाव तंत्रों का परीक्षण चल रहा है वे आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले और आसानी से मिलने वाले प्रॉडक्ट हैं।

## क्या पुरुषों को भी माइक्रोबिसाइड्‌ से लाभ होगा?

वर्तमान क्लीनिकल परीक्षणों में यह पता लगाया जा रहा है कि क्या माइक्रोबिसाइड्‌ एचआईवी निगेटिव महिलाओं को संक्रमण से बचा सकते हैं, लेकिन ऐसी उम्मीद है कि आखिरकार कुछ ऐसे प्रॉडक्ट भी मिलेंगे जो एचआईवी पॉजिटिव महिलाओं के साथी पुरुषों को सुरक्षा दे सकेंगे। किन्तु पुरुष साथियों को सुरक्षा देने वाले माइक्रोबिसाइड्‌ का अलग से क्लीनिकल परीक्षण करना होगा।

## माइक्रोबिसाइड्‌ अनुसंधान और विकास पर कौन काम कर रहा है?

इस समय माइक्रोबिसाइड्‌ के क्षेत्र में सारा अनुसंधान कार्य बिना लाभ के चलने वाले संगठन और शिक्षा संस्थान या छोटी बॉयोटेक कंपनियाँ मिलकर चला रहे हैं। इन अध्ययनों के लिए धन परोपकारी संगठनों और सरकारी सहायता से प्राप्त किया जा रहा है। ये सार्वजनिक धन मूलभूत विज्ञान, सामाजिक और व्यवहार संबंधी अध्ययन तथा क्लीनिकल परीक्षण के उन बुनियादी सुविधाओं को भी सहारा देता है, जो माइक्रोबिसाइड्‌ अनुसंधान और विकास में योगदान करती हैं। भारत में इस समय क्लीनिक पूर्व और क्लीनिक में कई परीक्षण चल रहे हैं। इस क्षेत्र में बड़ी दवा कंपनियों ने ज़्यादा निवेश नहीं किया है, जिसका मुख्य कारण ये है कि माइक्रोबिसाइड्‌ जनता के स्वास्थ्य की भलाई के लिए हैं, जिनसे समाज को अत्यधिक लाभ मिलेगा, लेकिन निजी निवेश पर लाभ की गुँजाइश भी बहुत कम होगी।

## जब हमें एचआईवी से बचाव का टीका मिल जाएगा तो माइक्रोबिसाइड्‌ की क्या ज़रूरत है?

एड्‌स की महान विनाशकारी समस्या का समाधान किसी एक नीति या टेक्नॉलॉजी से नहीं हो सकता। हमें बचाव के सभी मौजूदा रास्ते अपनाने होंगे, जिनमें व्यवहार में बदलाव, स्वैच्छिक सलाह और परीक्षण, यौन संचारित रोग निदान और उपचार, पुरुष और महिला कंडोम की सहज उपलब्धता, कीटाणु रहित सीरिंज की सहज उपलब्धता और एंटी-रेट्रो वायरल चिकित्सा सब शामिल है। इसके साथ ही हमें अपने साधनों और टेक्नॉलॉजी का भंडार भी बढ़ाना होगा। माइक्रोबिसाइड्‌ की एचआईवी से बचाव के टीके से पहले उपलब्ध और सुलभ हो जाने की संभावना है। सुरक्षित और असरदार टीका खोज लिए जाने के बाद भी एचआईवी की रोकथाम के लिए एक समन्वित बहुआयामी विश्वव्यापी नीति में टीकों और माइक्रोबिसाइड्‌ की भूमिकाएँ अलग-अलग और एक-दूसरे की पूरक होंगी।

## माइक्रोबिसाइड्‌ की लागत कितनी होगी और क्या लोग उसका खर्च उठा पाएँगे?

यह ज़रूरी है कि माइक्रोबिसाइड्‌ ज़रूरतमंद महिलाओं और पुरुषों के हाथों में उस दाम में पहुँचे, जिसे वे खरीद सके। स्वास्थ्य की नई तकनीकी विधियाँ अमरीका और यूरोप में अपनाए जाने के एक दशक बाद तक भी विकासशील देशों में व्यापक रूप से उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। मूल रूप से सार्वजनिक ढंग से विकसित की गई इस जीवनरक्षक टेक्नॉलॉजी के लिए यह देरी स्वीकार नहीं की जा सकती। जन-स्वास्थ्य के पैरोकार (एडवोकेट) अब शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के साथ मिलकर सुलभता और कम लागत के मुद्‌दों पर विषेष ध्यान देने की पैरवी कर रहे हैं ताकि माइक्रोबिसाइड्‌ के सुरक्षित और असरदार साबित होते ही उसे लोगों को सुलभ कराया जा सके।

## आप कैसे मदद कर सकते हैं?

ग्लोबल कैम्पेन फॉर माइक्रोबिसाइड्‌ की वेबसाइट ूहसवइंस.बंउचंपहदण्वतह को देखे और एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर करें, हमारा इलेक्ट्रॉनिक न्यूजलैटर मँगाना शुरू करें, अपने क्षेत्र में पैरोकार (एडवोकेट) समूहों से मिलें और माइक्रोबिसाइड्‌ के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें। सुरक्षित और असरदार माइक्रोबिसाइड्‌ जल्दी-से-जल्दी उपलब्ध कराने के लिए हमें आपकी मदद की ज़रूरत है।


ग्लोबल कैम्पेन फॉर माइक्रोबिसाइड्‌ एचआईवी की रोकथाम के नए विकल्प तेजी से सुलभ कराने के लिए कार्यरत संगठनों का व्यापक आधार वाला अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन है। हमारी वेबसाइट **www.global-campaign.org** देखें या

संपर्क करें :

परामिता कुन्डु, द्वारा पाथ, भारत देशीय कार्यालय, ए-९ कुतुब इन्स्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-११००६७

फोन : ९१-११-२६५३००८०, फैक्स : ९१-११-२६५३००८९, ईमेल : paramita@pathindia.org

या

द्वारा पाथ, १८०० के स्ट्रीट एनडब्ल्यू, स्यूट ८००, वांशिगटन, डीसी, २०,००६, अमरीका,

फोन : १ (२०२) ८२२-००३३, फैक्स : १ (२०२) ४५७-१४६६, ईमेल : info@global-campaign.org



ग्लोबल कैम्पेन फॉर माइक्रोबिसाइड्‌, मई २००५। दोबारा उपयोग की अनुमति है।

जानकारी के लिए संपर्क करें : info@global-campaign.org

अधिक जानकारी के लिए देखें : www.global-campaign.org/download.htm